भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 407

दिनांक 04 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नारियल उत्पादों का निर्यात

407. **श्री राजमोहन उन्नीथनः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा वैश्विक नारियल बाजार में भारत द्वारा एक बड़ी भूमिका निभाया जाना सुनिश्चित करने के लिए नारियल उत्पादों, नारियल तेल के विशेष संदर्भ में, के निर्यात भाग को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा नारियल केक और अन्य नारियल सह-उत्पादों के अनियंत्रित निर्यात को रोकने के लिए अपनाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है जो घरेलू नारियल बाजार और किसानों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं; और

(ग) क्या सरकार का विचार घरेलू बाजार को प्रभावित किए बिना निर्यात उद्देश्यों के लिए नारियल किसानों को अपना उत्पादन बढ़ाने में सहायता करने के लिए किसी पहल या योजना शुरू करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग): भारत सरकार कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल उत्पादों (नारियल तेल सहित) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यकलाप करती है। इन कार्यकलापों में पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) जारी करना, बाजार आसूचना, सेमिनार और कार्यशालाएं, क्रेता-विक्रेता बैठकें, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी, गुणवत्ता प्रमाणन संबंधी सहायता, निर्यात उत्कृष्टता के लिए ब्रांड बिल्डिंग अवार्ड, नारियल उत्पादों के निर्यात और आयात से संबंधित नीति निर्माण के लिए सिफारिशें शामिल हैं। उपर्युक्त कार्यकलापों के अलावा, भारत सरकार नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए दो योजनाओं नामतय: ''उत्पादकता सुधार के लिए एकीकृत कृषि'' स्कीम और ''पुनःरोपण एवं पुनरूद्धार '' स्कीम का कार्यान्वयन कर रही है।

इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 2019 से 2024 तक, पिछले पांच वर्षों के दौरान, नारियल का उत्पादन 20308.7 मिलियन नट्स से 9.4% बढ़कर 22226.3 मिलियन नट्स हो गया है और उत्पादकता 9345 नट्स/हेक्टेयर से बढ़कर 9527 नट्स/हेक्टेयर हो गई है । इसके अलावा, नारियल उत्पादों का निर्यात वर्ष 2019-20 में 1762.17 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 3469.44 करोड़ रुपये हो गया है।

(ख): भारत सरकार, नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल केक और अन्य नारियल उपोत्पादों सहित विभिन्न नारियल उत्पादों के निर्यात और आयात की सक्रिय रूप से निगरानी करती है। हाल के वर्षों में, नारियल केक और अन्य नारियल सह-उत्पादों (नारियल खोल को छोड़कर) का कोई अनियंत्रित निर्यात, जो बाजार और किसानों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है, सरकार की जानकारी में नहीं आया है। वर्ष 2023-24 में नारियल के उपोत्पादों के निर्यात मूल्य में भारी वृद्धि हुई है और यह 1485.59 लाख रुपये हो गया है, जिसमें से नारियल के खोल का निर्यात मूल्य 1467.14 लाख रुपये है। इसका श्रेय नारियल के खोल से बने सक्रिय कार्बन की बढ़ती वैश्विक मांग को दिया जा सकता है। यह खोल कभी एक छोड़ा हुआ उपोत्पाद था, लेकिन अब इसका महत्वपूर्ण मूल्य बढ़ गया है, जिससे यह एक प्रमुख निर्यात वस्तु बन गया है। सतत सामग्रियों की बढ़ती मांग ने भी आइसक्रीम कप, बर्ड फीडर और बर्तनों जैसी उपयोगिताओं में इसका उपयोग बढ़ा दिया है, जो विशेषकर विकसित देशों में प्लास्टिक और कागज के विकल्पों की जगह ले रहा है । इन विकासों ने नारियल के खोल को भी एक लाभदायक वस्तु बनाकर किसानों को लाभान्वित किया है। पिछले पाँच वर्षों में नारियल केक और अन्य नारियल उप-उत्पादों के निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

नारियल केक	
वर्ष	मूल्य (लाख रुपये में)
2019-20	8.03
2020-21	22.01
2021-22	40.82
2022-23	24.46
2023-24	9.20

अन्य नारियल उप-उत्पाद (नारियल का खोल, नारियल या खोपरा के अन्य अवशेष)	
वर्ष	मूल्य (लाख रुपये में)
2019-20	117.10
2020-21	133.65
2021-22	167.12
2022-23	115.18
2023-24	1485.59

*****